Guru Nanak Aarti Lyrics in Hindi English

Guru Nanak Aarti Lyrics in Hindi

गगन मै थालु रवि चंदु दीपक बने तारिका मंडल जनक मोती ॥

धूपु मल आनलो पवणु चवरो करे सगल बनराइ फूलंत जोती ॥

कैसी आरती होइ भव खंडना तेरी आरती ॥ अनहता सबद वाजंत भेरी रहाउ ॥

सहस तव नैन नन नैन है तोहि कउ सहस मूरित नना एक तोही ॥

सहस पद बिमल नन एक पद गंध बिनु सहस तव गंध इव चलत मोही ॥

सभ महि जोति जोति है सोइ ॥ तिस कै चानणि सभ महि चानणु होइ ॥

गुर साखी जोति परगटु होइ ॥ जो तिसु भावै सु आरती होइ ॥

हरि चरण कमल मकरंद लोभित मनो अनदिनो मोहि आही पिआसा ॥

कृपा जलु देहि नानक सारिंग कउ होइ जा ते तेरै नामि वासा ॥

गगन मै थालु, रिव चंदु दीपक बने, तारका मंडल, जनक मोती। धूपु मलआनलो, पवण चवरो करे, सगल बनराइ फुलन्त जोति॥ कैसी आरती होइ॥ भवखंडना तेरी आरती॥ अनहत सबद बाजंत भेरी॥

Guru Nanak Aarti Lyrics in English

Gagan mai thalu Ravi Chandu deepak, Bane taarika mandal janak moti.

Dhoop mal aanlo, pawan chavro kare, Sagal banrai phulant jyoti.

Kaisi aarti hoi bhav khandana teri aarti, Anahata sabad baajant bheri rahaau. Sahas tava nain nan nain hai tohi kau, Sahas moorti nana ek tohi.

Sahas pad bimal nan ek pad gandh binu, Sahas tava gandh iv chalat mohi.

Sab mahi jyoti jyoti hai soi, Tis kai chaanani sab mahi chaanan hoi.

Guru saakhi jyoti pragat hoi, Jo tis bhave su aarti hoi.

Hari charan kamal makrand lobhit mano, Andino mohi aahi pyaasa.

Kripa jal dehi Nanak saaring, kau hoi ja te terei naami waisa.

Gagan mai thalu, Ravi Chandu deepak bane, Taaraka mandal, janak moti. Dhoop mal aanlo, pawan chavro kare, Sagal banrai phulant jyoti. Kaisi aarti hoi, Bhavkhandana teri aarti, Anahat sabad baajant bheri.

About Guru Nanak Aarti in English

"Guru Nanak Aarti" is a devotional hymn dedicated to Guru Nanak Dev Ji, the founder of Sikhism, who is revered as a spiritual leader and a teacher of peace, equality, and love. This aarti is a prayer that acknowledges Guru Nanak's divine light, his teachings, and his profound impact on humanity. It praises his qualities as a compassionate guide who showed the path to spiritual enlightenment.

The lyrics of the aarti describe Guru Nanak's spiritual radiance, comparing his light to the sun and moon, illuminating the world with wisdom and understanding. The hymn speaks about his divine presence and the profound wisdom that he imparted to his followers. It emphasizes the importance of devotion to God, humility, and serving humanity, which are central to Sikh teachings.

The aarti also highlights Guru Nanak's role as a unifier who transcended religious boundaries and worked towards spreading the message of peace and equality among all people. His teachings on the oneness of God, honest living, and sharing with others resonate throughout the hymn. The "Guru Nanak Aarti" is sung by Sikhs with deep devotion to seek his blessings for spiritual guidance, peace, and harmony in their lives.

Overall, it is a celebration of Guru Nanak's life, teachings, and divine presence.

About Guru Nanak Aarti in Hindi

"गरु नानक आरती" के बारे में

"गुरु नानक आरती" एक भक्ति भजन है जो सिख धर्म के संस्थापक और पहले गुरु, गुरु नानक देव जी की स्तुति करता है। गुरु नानक देव जी को धर्म, प्रेम, समानता और भाईचारे के संदेशों के लिए जाना जाता है। यह आरती उनके दिव्य प्रकाश, उनके उपदेशों और मानवता पर उनके गहरे प्रभाव को मान्यता देती है। भजन में गुरु नानक के आध्यात्मिक प्रकाश का वर्णन किया गया है, जो सूर्य और चंद्रमा की तरह संसार को ज्ञान और समझ से रोशन करता है। इस भजन में गुरु नानक की उपस्थिति और उनके द्वारा दिए गए उपदेशों का महत्त्व बताया गया है। भक्ति, विनम्रता और मानवता की सेवा, जो गुरु नानक के उपदेशों का आधार हैं, इस आरती में प्रमुखता से प्रस्तुत किया गया है।

गुरु नानक देव जी ने धर्म की सीमाओं से परे जाकर, सभी इंसानों में समानता और प्रेम का संदेश फैलाया। यह आरती उनके उस महान कार्य को सराहती है, जो उन्होंने समाज में शांति, भाईचारे और समानता की स्थापना के लिए किया।

"गुरु नानक आरती" भजन को गाकर भक्त गुरु नानक से आशीर्वाद प्राप्त करने की प्रार्थना करते हैं, ताकि वे अपने जीवन में शांति, आस्था और सामूहिकता का पालन कर सकें।